रेस्टोरेंट और बार में मिली एक्सपायर कोल्ड्रिंक्स, निगम ने लगाया जुर्माना

फ्रीजर में वेज और नॉनवेज खाद्य सामग्री एक साथ रखने पर भी की गई कार्रवाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल नगर निगम की म्युनिसिपल मोबाइल कोर्ट ने शुक्रवार को बंसल वन स्थित रेस्टोरेंट और बार में कार्रवाई की। मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तरुणेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने रेस्टोरेंट और बार के किचन में खाद्य पदार्थों की जांच की। जांच के दौरान कई स्थानों पर एक्सपायर कोल्ड्रिंक्स मिलीं। इसके अलावा फ्रीजर में वेज और नॉनवेज खाद्य सामग्री एक साथ रखी हुई पाई गई। टीम ने मौके पर ही जुर्माना लगाया।

चलित न्यायालय ने दोपहर 1.30 बजे से कार्रवाई शुरू की, जो करीब दो घंटे तक चली। इस दौरान फर्जी कैफे, रोमियो लेन, फ्लाइंग सोसर, रास्ता, माय बार, आयबरी, कव्वाली, संकल्प रेस्टोरेंट और बार सहित अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। टीम ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, शुद्धता और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत व्यवस्थाओं की जांच की। कार्रवाई के दौरान भोजन और कोल्ड्रिंक्स के सैंपल भी लिए गए। निगम की विशेष टीम के अचानक पहुंचने से रेस्टोरेंट संचालकों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान किचन में गंदगी मिलने पर कर्मचारियों को फटकार लगाई गई और व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए गए।

एमपी एग्रो के पदोन्नत कर्मचारियों को मंत्री कुशवाह ने दी शुभकामनाएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः एमपी स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपी एग्रो) के पदोन्नत अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह का आभार व्यक्त किया। मंत्री कुशवाह ने पदोन्नत अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि पदोन्नति कर्मचारी की मेहनत, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारियों के साथ सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें और संस्था तथा प्रदेश के विकास में योगदान दें।आपने कहा कि कर्मचारियों की लगन और समर्पण से ही किसी संस्था की कार्यक्षमता और उपलब्धियां बढ़ती हैं। उन्होंने सभी पदोन्नत कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एमपी एग्रो के प्रबंध संचालक अरविंद दुबे ने कहा कि पदोन्नति से कर्मचारियों को बेहतर अवसर मिलते हैं।

मुख्यमंत्री ने उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मशहूर शहनाई वादक, भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि भारतीय संगीत को विश्व पटल पर गौरवान्वित करने में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री गौर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि बाबूलाल गौर ने श्रमिकों की मुखर आवाज बनकर विकास व गरीब कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का आजीवन पालन किया। उनका जीवन जनसेवा का अभूतपूर्व अध्याय रहा। उनके विचार हमें जनकल्याण की प्रेरणा देते रहेंगे।

स्व. कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित स्व. कल्याण सिंह का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है।

जमीन खरीदकर घर बनाया, अब मिले नोटिस,सांई रेसीडेंसी के लोगों की पीड़ा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः कोलार एसडीएम कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित जनविश्वास शिविर में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। सांई रेसीडेंसी के रहवासियों ने प्लाट की रजिस्ट्री के बाद भी मकानों को अवैध बताकर नोटिस भेजे जाने की शिकायत की।

संतराम अहिरवार ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में सांई रेसीडेंसी में प्लाट खरीदा था। रजिस्ट्री कराने के बाद मेहनत की कमाई से मकान बनाया। अब प्रशासन की ओर से नोटिस मिल रहे हैं, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने कोई अपराध किया हो।

शिविर में कॉलोनी से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं। लोगों ने सड़क, स्ट्रीट लाइट, पानी सहित अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। जोन-19 क्षेत्र के रहवासियों ने सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, राजस्व प्रकरण, किसान आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन से संबंधित समस्याएं भी रखीं।

▶▶ कोलार जनविश्वास शिविर में विधायक और कलेक्टर ने सुनीं लोगों की समस्याएं

▶▶ शिविर में कॉलोनी से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं

अधिकारियों ने सुनीं शिकायतें

शिविर का शुभारंभ हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने किया। अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनके लिए समय-सीमा तय की गई। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू किए गए जनविश्वास अभियान का उद्देश्य बैठकें कम कर जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि शिविरों में लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

कॉलोनियों के मामलों पर विशेष ध्यान

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि शिविर में कोलार क्षेत्र की कॉलोनियों से जुड़े सबसे ज्यादा मामले सामने आए। इसके अलावा राजस्व और गरीबी रेखा कार्ड से संबंधित शिकायतें भी मिलीं। कॉलोनी से जुड़े मामलों के लिए अलग काउंटर लगाया गया था। उन्होंने कहा कि कोलार तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है, इसलिए यहां सुनियोजित विकास जरूरी है। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए आगे भी जनसुनवाई जारी रहेगी।

हर शुक्रवार लगाए जाएंगे शिविर

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्रदेश में 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार को शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसमें अधिकारी कार्यालयों से बाहर निकलकर सीधे लोगों की समस्याएं सुनेंगे। शिविर में पिंक सिटी कॉलोनी के दो परिवारों को 12 साल बाद आवास का आधिपत्य भी दिलाया गया। वहीं माय सिटी कॉलोनी में सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर बिल्डर को दो माह में आवश्यक कार्य पूरे करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने विज्ञान और अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों को सराहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हुए कार्यों से भारत का मान-सम्मान वैश्विक स्तर पर बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में स्पेस पॉलिसी लागू की गई है और साइंस सिटी एवं प्लेनेटोरियम जैसी पहल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी और विज्ञान का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हाल ही में भोपाल स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में स्पेस गैलरी का शुभारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 अगस्त को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा इसरो के सहयोग से राज्य स्तरीय सैटेलाइट मॉडल निर्माण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश के 32 से अधिक विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और वैज्ञानिक संस्थानों के विद्यार्थी व शिक्षक भाग लेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों और विज्ञान प्रेमियों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी।

सरकारी स्कूल में दोपहर बाद मिला ताला

नप्र, भोपाल : अरवलिया पंचायत के परवलिया सानी प्राथमिक स्कूल का शुक्रवार को जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने निरीक्षण किया। इस दौरान दोपहर 2.35 बजे स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा मिला। स्कूल में न बच्चे मौजूद थे और न ही शिक्षक। जाट ने बताया कि कुछ देर बाद एक शिक्षक पहुंचे, जो नशे की हालत में लग रहे थे। उन्होंने शिक्षक को फटकार लगाई और मामले की शिकायत अधिकारियों से की। जाट ने बताया कि ग्रामीणों से स्कूल में शिक्षकों की अनुपस्थिति और अव्यवस्थाओं की शिकायतें मिल रही थीं। निरीक्षण में सामने आया कि स्कूल समय से पहले बंद कर दिया जाता है।

क्रियायोग ध्यान शिविर में साधकों ने सीखी ध्यान साधना की विधि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रज्ञान मिशन कटक एवं परमहंस हरिहरानंद क्रियायोग ध्यान केंद्र भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्रियायोग ध्यान साधना शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, में हुआ। मुख्य वक्ता आचार्य स्वामी परिपूर्णानंद गिरी पुरी, उड़ीसा के साथ स्वामी दुर्गेशानंद और स्वामी कृष्ण प्रेमानंद उपस्थित रहे। आचार्य स्वामी परिपूर्णानंद ने कहा कि क्रियायोग श्वास के विज्ञान पर आधारित प्राचीन और प्रभावशाली ध्यान पद्धति है। श्वास और मन के बीच गहरा संबंध होता है। श्वास नियंत्रण से मन को नियंत्रित करने और आत्म-अनुशासन विकसित करने में सहायता मिलती है। उन्होंने बताया कि क्रियायोग कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग का समन्वय है। उन्होंने कहा कि महावतार बाबाजी महाराज ने वर्ष 1861 में अपने शिष्य लाहिड़ी महाशय के माध्यम से क्रियायोग की परंपरा को पुनः जनसामान्य तक पहुंचाया। कार्यक्रम में कई साधकों ने क्रियायोग की दीक्षा भी प्राप्त की। स्वामी दुर्गेशानंद ने कहा कि क्रियायोग को नियमित अभ्यास से ही आत्मसात किया जा सकता है। स्वामी कृष्ण प्रेमानंद ने गुरु-शिष्य परंपरा और साधना में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला।

किशोर हत्याकांड में आरोपी के घर पहुंची पुलिस, साक्ष्य जुटाने की कवायद

▶▶ **वारदात के समय पहने कपड़ों की तलाश, छोटे तालाब में फेंके गए अंगों की भी खोज जारी**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः छोटे तालाब के धोबीघाट के पास हुए किशोर हत्याकांड में पुलिस की जांच लगातार जारी है। शुक्रवार को पुलिस आरोपी आमिर कुरैशी को लेकर उसके घर पहुंची और वहां तलाशी ली। एसीपी कोतवाली संतोष पटेल सहित जांच टीम के अधिकारी और पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे।

पुलिस के अनुसार वारदात के बाद आरोपी आमिर अपने घर पहुंचा था, जहां उसने नहाकर कपड़े बदले थे। पुलिस अब हत्या के समय पहने गए कपड़ों की तलाश कर रही है, जिन्हें महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने कपड़ों को धोने, साफ करने या छिपाने का प्रयास तो नहीं किया। इससे पहले गुरुवार को पुलिस ने आरोपियों को छोटे तालाब के धोबीघाट ले जाकर घटनास्थल का पुनर्निर्माण कराया था। आरोपियों से यह जानकारी ली गई कि हत्या के बाद शव से अंग निकालकर उन्हें किस रास्ते से ले जाया गया और तालाब में किस स्थान पर फेंका गया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से भी तलाश की, लेकिन अब तक अंग बरामद नहीं हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक मामले में आमिर कुरैशी और जोहेब खान को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन विधि-विरुद्ध बालकों को हिरासत में लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कथित तौर पर प्राइवेट पार्ट बेचने की योजना बनाई थी।

पुलिस के अनुसार 6 अगस्त को किशोर को 100 रुपये देने का झांसा देकर छोटे तालाब के धोबीघाट ले जाया गया था, जहां उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव से अंग निकालकर उन्हें प्लास्टिक की थैली में रखा गया और बाद में तालाब में फेंक दिया गया। 10 अगस्त को धोबीघाट के पास शव मिला था। 15 अगस्त को हाथ पर बने टैटू के आधार पर किशोर की पहचान हुई। पुलिस अब अन्य आरोपियों की भूमिका और मामले से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है।

राजा भोज ज्योतिष पीठ के शासी निकाय की कमान डॉ. विनीत तिवारी को

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः आनंद योग ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विश्व ज्योतिष कांग्रेस के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राज ज्योतिष डॉ. विनीत तिवारी को राजा भोज ज्योतिष पीठ के शासी निकाय का अध्यक्ष चुना गया है। वे पीठ के माध्यम से राजा भोज के ज्योतिष, वास्तु, योग, आयुर्वेद, व्याकरण, साहित्य, काव्य, नाट्य, संगीत और कला क्षेत्र में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। राजा भोज ज्योतिष पीठ का उद्देश्य वैदिक ज्योतिष की प्रामाणिक शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। ग्यारहवीं शताब्दी के राजा भोज को विद्वान शासक माना जाता है, जिन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की थी। उनके प्रमुख ग्रंथों में समरांगणसूत्रधार, सरस्वतीकंठाभरण और श्रृंगारप्रकाश शामिल हैं। यह जानकारी राजा भोज ज्योतिष पीठ के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुधीर पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी।

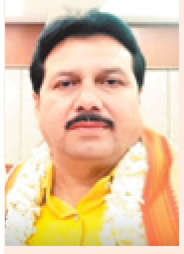

नाबालिग के अपहरण मामले में हिंदू संगठनों का थाने के बाहर प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नाबालिग हिंदू लड़की के कथित अपहरण मामले में कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को हिंदू संगठनों ने जहांगीराबाद थाने का घेराव किया। संगठन के कार्यकर्ता थाने के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कुरावर से एक मुस्लिम युवक नाबालिग लड़की को ले गया। उनका कहना है कि शिकायत के बाद भी पुलिस की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, जिसके विरोध में संगठन के लोग थाने पहुंचे। स्थिति को देखते हुए जहांगीराबाद थाने के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे हैं। पुलिस मामले में की जा रही कार्रवाई और नाबालिग की तलाश को लेकर जानकारी जुटा रही है।

राजधानी में पेड़ों की कटाई पर एनजीटी सख्त, 15 साल तक होगी निगरानी

नप्र, भोपाल : राजधानी में पेड़ों की कटाई और हरित क्षेत्रों के संरक्षण को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। एनजीटी ने देशी और संकटग्रस्त वृक्ष प्रजातियों की पहचान करने तथा पौधारोपण की 15 साल तक निगरानी करने की योजना बनाने को कहा है। डॉ. सुभाष सी. पांडे बनाम भोपाल नगर निगम एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने शहर के हरित क्षेत्रों, सड़क किनारे हरित पट्टियों, अतिक्रमण और शहरी वानिकी से जुड़े मुद्दों पर निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि पेड़ों की कटाई से संबंधित मामलों में मध्य प्रदेश वृक्षों का परिरक्षण नगरीय क्षेत्र अधिनियम, 2001 का कड़ाई से पालन किया जाए। एनजीटी ने भोपाल नगर निगम क्षेत्र की हाई रिजोल्यूशन जीआईएस मैपिंग और वृक्ष गणना कराने के निर्देश दिए हैं।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर कांग्रेस ने नियुक्त किए 13 क्षेत्र प्रभारी

नप्र, भोपाल : मध्यप्रदेश में करीब नौ साल बाद छात्रसंघ चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद राज्य सरकार के 2026-27 अकादमिक कैलेंडर में सितंबर में प्रदेश के सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराने का प्रावधान किया गया है। हालांकि चुनाव प्रत्यक्ष होंगे या अप्रत्यक्ष, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है।

चुनाव को लेकर कांग्रेस ने संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर पार्टी ने प्रदेश को 13 क्षेत्रों में बांटकर छात्रसंघ चुनाव के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की है। इन प्रभारियों को छात्र संगठनों से समन्वय करने और एनएसयूआई समर्थित उम्मीदवारों की तैयारी कराने की जिम्मेदारी दी गई है।

जारी सूची के अनुसार भोपाल की जिम्मेदारी प्रकाश चौकसे, इंदौर की अमन बजाज और ग्वालियर की हेवरन कसाना को दी गई है। रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज और मैहर का प्रभार मंजुल त्रिपाठी को सौंपा गया है। सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी और टीकमगढ़ की जिम्मेदारी अक्षय दुबे संभालेंगे।

मांग *2800 ग्रेड पे सहित लंबित मांगों के निराकरण की मांग, भोपाल में किया प्रदर्शन*

ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता के विरोध में कृषि विस्तार अधिकारियों का धरना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता और वर्षों से लंबित मांगों को लेकर मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने शुक्रवार को भोपाल के अंबेडकर पार्क में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में प्रदेशभर से कृषि विस्तार अधिकारी, आत्मा परियोजना और सीड सर्टिफिकेशन से जुड़े कर्मचारी शामिल हुए।

संघ ने ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता समाप्त करने के साथ 25 साल से लंबित 2800 ग्रेड पे की मांग उठाई। इसके अलावा अतिरिक्त केंद्रों का प्रभार संभालने वाले अधिकारियों का मानदेय 500 रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने और पटवारियों की तरह एग्रीस्टेक भत्ता देने की मांग भी की गई।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहन डामोर ने कहा कि कृषि विस्तार अधिकारियों का काम मुख्य रूप से मैदानी क्षेत्र से जुड़ा है। अधिकारियों को किसानों के खेतों, गांवों और विभिन्न क्षेत्रों में जाकर कार्य करना पड़ता है। फसल प्रदर्शन, मिट्टी परीक्षण और किसानों से जुड़े कई कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। ऐसे में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यालय में ई-अटेंडेंस के लिए बाध्य करना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि कई विभागों में फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्य नहीं है, इसलिए कृषि विस्तार अधिकारियों को भी इससे मुक्त किया जाना चाहिए। संघ पिछले कई महीनों से शासन और प्रशासन के सामने मांगें रख रहा था। मोहन डामोर ने बताया कि कृषि मंत्री से इस संबंध में चर्चा हुई है। मंत्री ने मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की बात कही है। संघ ने जल्द निर्णय लेने की मांग की है, ताकि कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकें और किसानों से जुड़े कार्यों को प्रभावी रूप से जारी रख सकें।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात प्रबंधन की नवीन तकनीकों से परिचय कराने तथा वाहन दुर्घटनाओं में पीडितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, केशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिये अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) भोपाल में 20 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक 'सुरक्षित वाहन चालन कोर्स' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र में मध्यप्रदेश में सड़क पर होने वाली वाहन दुर्घटनाओ एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से व वाहन दुर्घटनाओं में पीडितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, केशलेस उपचार सहायता उपलब्ध कराने एवं सुरक्षित वाहन चालन किये जाने के लिये निरीक्षक चालक से आरक्षक चालक स्तर के अधिकारियों को 02 दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में शासकीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया गया। साथ ही वाहनों के रख-रखाव, वाहन चालन के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों एवं वाहन चालन के समय संकेत सूचकों की जानकारी विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। सुरक्षित वाहन चालन कोर्स का उद्देश्य वाहन चालकों द्वारा संकेत सूचकों की जानकारी रखते हुए सड़क पर सुरक्षित वाहन चलाने के लिये प्रेरित करना है, जिससे सड़क उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराया जा सके, जिसमें पदयात्रियों तथा साइकिल, वाहन चालकों को प्राथमिकता दी गयी है और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या एवं सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के लक्ष्य को प्राप्त करना रखा गया है।